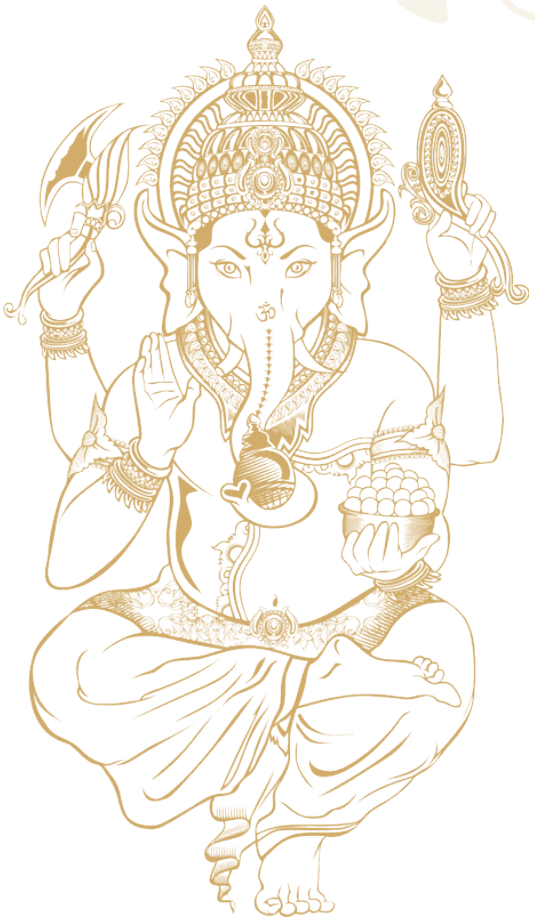

Utsav

Arti verma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120890502

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/04/1989 :	जन्म तिथि	: 17/12/1990
बुधवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 12:05:00 :	जन्म समय	: 15:52:00 घंटे
घटी 15:46:35 :	जन्म समय(घटी)	: 22:50:25 घटी
India :	देश	: India
Nagpur :	स्थान	: Nagpur
21:10:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:10:00 उत्तर
79:12:00 पूर्व :	रेखांश	: 79:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:13:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:46:22 :	सूर्योदय	: 06:43:50
18:36:04 :	सूर्यास्त	: 17:34:35
23:42:35 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:44:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 4मा 13दि	13:30:44	कर्क	लग्न	वृष	07:09:02	केतु 4वर्ष 9मा 18दि
चन्द्र	12:17:47	मेष	सूर्य	धनु	01:28:51	चन्द्र
08/09/2016	10:43:27	धनु	चंद्र	धनु	04:11:14	05/10/2021
08/09/2026	04:29:13	मिथु	मंगल व	वृष	05:33:49	06/10/2031
चन्द्र 09/07/2017	01:58:12	वृष	बुध व	धनु	15:40:11	चन्द्र 06/08/2022
मंगल 07/02/2018	14:49:10	वृष	गुरु व	कर्क	19:22:30	मंगल 07/03/2023
राहु 09/08/2019	17:48:30	मेष	शुक्र	धनु	12:42:16	राहु 05/09/2024
गुरु 08/12/2020	20:12:33	धनु व	शनि	मक	00:16:59	गुरु 05/01/2026
शनि 09/07/2022	08:47:01	कुंभ व	राहु व	मक	04:31:26	शनि 06/08/2027
बुध 09/12/2023	08:47:01	सिंह व	केतु व	कर्क	04:31:26	बुध 05/01/2029
केतु 09/07/2024	11:30:14	धनु व	हर्ष	धनु	15:07:39	केतु 06/08/2029
शुक्र 10/03/2026	18:38:02	धनु व	नेप	धनु	19:50:22	शुक्र 06/04/2031
सूर्य 08/09/2026	20:18:54	तुला व	प्लूटो	तुला	25:23:42	सूर्य 06/10/2031

लग्न-चलित

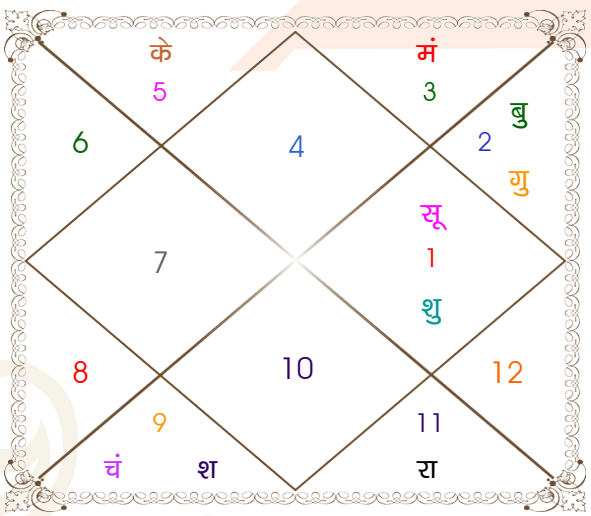

लग्न-चलित

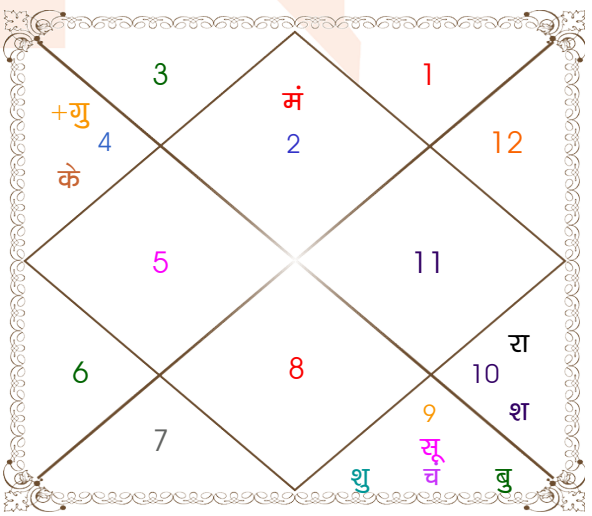

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Utsav का वर्ग मूषक है तथा Arti verma का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Utsav और Arti verma का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Utsav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Utsav कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Arti verma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Utsav कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Utsav तथा Arti verma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।